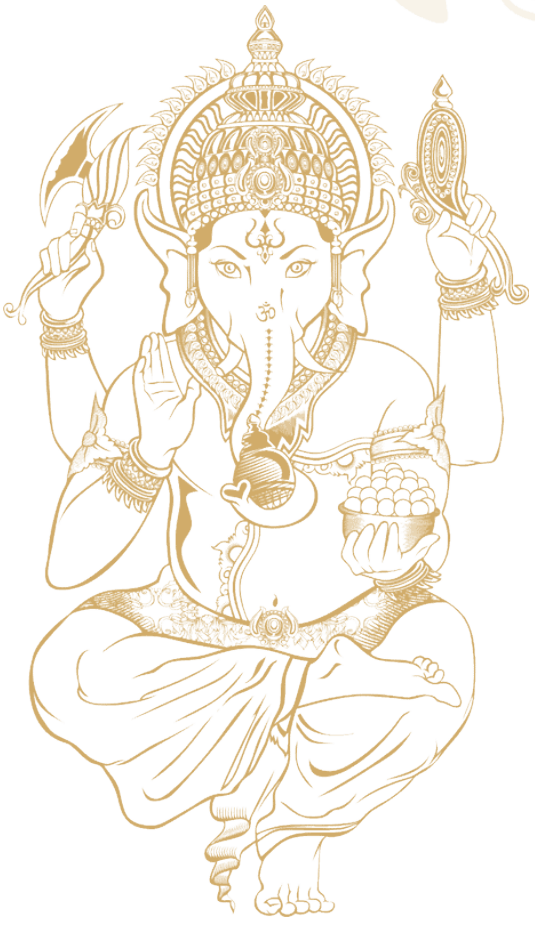

Anil Bhaiya

19 Mar 1974

08:45 PM

Azamgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120930802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/03/1974**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**20:45:00 घंटे**
इष्ट	36:44:06 घटी
स्थान	**Azamgarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:03:00 उत्तर
रेखांश	83:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:47:40 घंटे
वेलान्तर	-00:07:57 घंटे
साम्पातिक काल	08:34:48 घंटे
सूर्योदय	06:03:21 घंटे
सूर्यास्त	18:07:36 घंटे
दिनमान	12:04:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	05:08:15 मीन
लग्न के अंश	10:58:44 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शिव
करण	बालव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:58:44	316:20:29	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			मीन	05:08:15	00:59:39	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मक	16:42:26	11:56:30	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
मंगल			वृष	17:54:20	00:34:30	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
बुध			कुंभ	07:48:10	00:46:53	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु			कुंभ	09:04:56	00:13:40	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
शुक्र			मक	19:47:10	00:50:46	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	मित्र राशि
शनि			मिथु	04:38:42	00:02:11	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		धनु	00:15:29	00:07:15	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	00:15:29	00:07:15	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		तुला	03:21:54	00:02:09	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		वृश्चि	16:06:01	00:00:15	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
प्लूटो	व		कन्या	12:09:43	00:01:39	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
दशम भाव			कर्क	12:49:03	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:06

लग्न-चलित

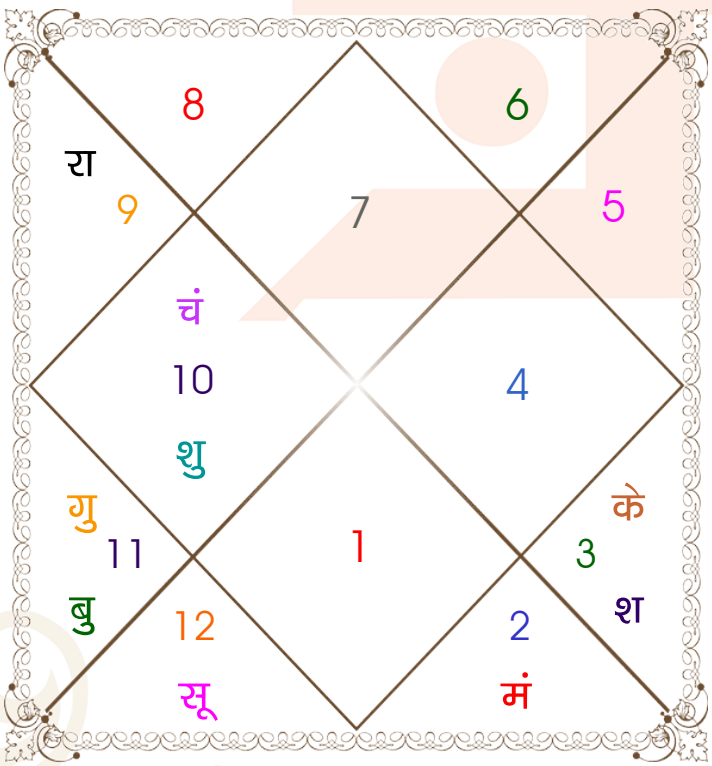

चन्द्र कुंडली

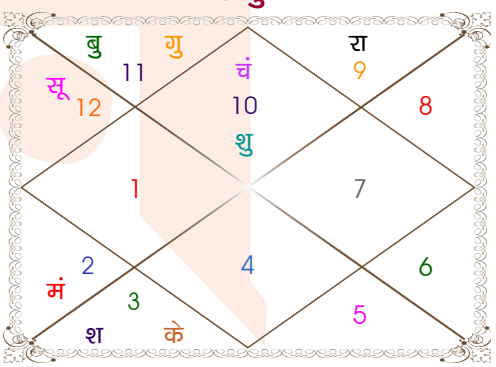

नवमांश कुंडली

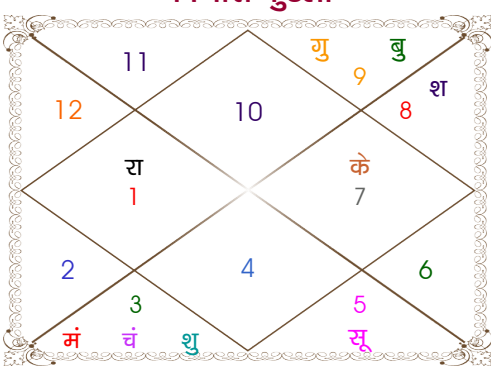

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 11 मास 19 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/03/1974		09/03/1979		08/03/1986		08/03/2004		08/03/2020	
09/03/1979		08/03/1986		08/03/2004		08/03/2020		09/03/2039	
	00/00/0000	मंगल	05/08/1979	राहु	18/11/1988	गुरु	26/04/2006	शनि	12/03/2023
	00/00/0000	राहु	22/08/1980	गुरु	14/04/1991	शनि	06/11/2008	बुध	19/11/2025
	00/00/0000	गुरु	29/07/1981	शनि	18/02/1994	बुध	12/02/2011	केतु	29/12/2026
	19/03/1974	शनि	07/09/1982	बुध	06/09/1996	केतु	19/01/2012	शुक्र	27/02/2030
शनि	07/01/1975	बुध	04/09/1983	केतु	25/09/1997	शुक्र	19/09/2014	सूर्य	09/02/2031
बुध	07/06/1976	केतु	31/01/1984	शुक्र	25/09/2000	सूर्य	08/07/2015	चंद्र	09/09/2032
केतु	06/01/1977	शुक्र	01/04/1985	सूर्य	19/08/2001	चंद्र	06/11/2016	मंगल	19/10/2033
शुक्र	07/09/1978	सूर्य	07/08/1985	चंद्र	18/02/2003	मंगल	13/10/2017	राहु	25/08/2036
सूर्य	09/03/1979	चंद्र	08/03/1986	मंगल	08/03/2004	राहु	08/03/2020	गुरु	09/03/2039

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
09/03/2039		08/03/2056		09/03/2063		09/03/2083		08/03/2089	
08/03/2056		09/03/2063		09/03/2083		08/03/2089		00/00/0000	
बुध	04/08/2041	केतु	04/08/2056	शुक्र	08/07/2066	सूर्य	26/06/2083	चंद्र	06/01/2090
केतु	01/08/2042	शुक्र	04/10/2057	सूर्य	08/07/2067	चंद्र	26/12/2083	मंगल	07/08/2090
शुक्र	01/06/2045	सूर्य	09/02/2058	चंद्र	08/03/2069	मंगल	02/05/2084	राहु	06/02/2092
सूर्य	08/04/2046	चंद्र	10/09/2058	मंगल	08/05/2070	राहु	26/03/2085	गुरु	07/06/2093
चंद्र	07/09/2047	मंगल	06/02/2059	राहु	08/05/2073	गुरु	12/01/2086	शनि	19/03/2094
मंगल	03/09/2048	राहु	25/02/2060	गुरु	07/01/2076	शनि	25/12/2086		00/00/0000
राहु	24/03/2051	गुरु	30/01/2061	शनि	09/03/2079	बुध	01/11/2087		00/00/0000
गुरु	29/06/2053	शनि	11/03/2062	बुध	06/01/2082	केतु	08/03/2088		00/00/0000
शनि	08/03/2056	बुध	09/03/2063	केतु	09/03/2083	शुक्र	08/03/2089		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 11 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।